

---

Shri Karkotakam

श्रीकार्कोटकम्

Document Information



---

Text title : Shri Karkotakam 06 12

File name : kArkoTakam.itx

Category : deities\_misc

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : Gopalakrishnan

Description/comments : From stotrArNavaH 06-12

Latest update : September 18, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 18, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीकार्कोटकम्



त्रिभुवनजयविहारी विहरतु हृदि वो महाकालः ।  
गिरिवरतनयाकुचतटविलुठितनयनत्रयीसुभगः ॥ १ ॥  
कार्कोटकेश्वरो जीयादर्ककोटिनिभप्रभः ।  
कर्कशेतरसौभाग्यतर्कदुर्ग्रहविग्रहः ॥ २ ॥  
कार्कोटकेश्वरस्यास्तु स्वस्ति तस्यै वपुःश्रियै ।  
कर्कोटकादयो यस्यै शेषेण सह शेरते ॥ ३ ॥  
कार्कोटकेश्वरं पश्य करुणावरुणालयम् ।  
लक्ष्मीविलोकिते यस्य विषं कण्ठे विजृम्भते ॥ ४ ॥  
कार्कोटकेश्वरो देवः कामान् कस्य न वर्षति ।  
कामदाहमनुस्मृत्य पश्चात्तापवशादिव ॥ ५ ॥  
कार्कोटकेश्वरं नाम कल्पकद्रुममाद्रिये ।  
कनं किसलयं यस्य कराङ्घ्रिदशनच्छदम् ॥ ६ ॥  
कार्कोटकेश्वरं वन्दे कन्दं कमपि जन्मिनाम् ।  
धन्या यमुपजीवन्ति तपसा क्लान्तमानसाः ॥ ७ ॥  
कार्कोटकेश्वरं देवं के वा कैवल्यवर्षिणम् ।  
कामदेहिनमालम्ब्य कृतार्थपदलङ्घिताः ॥ ८ ॥  
कार्कोटकेश्वरं चेतः कदा नु मम गाहते ।  
यस्मिन् विस्मयमापन्ना यतयः श्रुतयोऽपि च ॥ ९ ॥  
कार्कोटकेश्वरं धीरा गाहन्ते हन्त चेतसा ।  
नादिर्यस्य न चाप्यन्तो नापि मध्यं सुखाम्बुधेः ॥ १० ॥  
कार्कोटकेश्वरभवं नवरत्नमेतत्  
इष्टामभीष्टमभिवर्षतु चाश्रितानाम् ।

किञ्च प्रपञ्चपरिलङ्घिमहासुरखोर्मि

मात्मीयमुक्तिमुपदर्शय मोक्षलक्ष्मीम् ॥ ११ ॥

इति श्रीकृष्णलीलाशुकमहाकविमुनिविरचितं श्रीकार्कोटकं सम्पूर्णम् ।

Note: karkoTakeshvara and kArkoTakeshvara are used interchangeably in the original.

Proofread by Gopalakrishnan

---



*Shri Karkotakam*

pdf was typeset on September 18, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

